(27)

[This question paper contains 8 printed pages.]

Your Roll No....2024....

Sr. No. of Question Paper : 5223 **G**

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY Kalkaji, New Delhi-19

Unique Paper Code : 12131501

Name of the Paper : Vedic Literature

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Sanskrit, Core**

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

3. **All** questions are compulsory.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

P.T.O.

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

3. **सभी** प्रश्न करने अनिवार्य हैं ।

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक खण्ड में से **एक-एक** मन्त्र की व्याख्या कीजिए :

Explain One Mantra from each section : (6×2=12)

खण्ड (क)

Section (I)

(अ) अग्निनारयिमश्नवत्तापोषमेवदिवेदिवे।
यशसंवीरवत्तमम्।।

(आ) येनेदं भूतं भुवनं भविष्यत्परिगृहीतममृतेन सर्वम्।
येन यज्ञस्तायते सप्तहोतातन्मेमनःशिवसंकल्पमस्तु।।

खण्ड (ख)

Section (II)

(अ) ऋतावरीदिवो अर्कैरबोध्यारेवती रोदसी चित्रमस्थात्।
आयतीमग्रउषसंविभातींवाममेषीद्रविणं भिक्षमाणः।।

(आ) नीचावर्तन्ते उपरिस्फुरन्त्यहस्तासोहस्तवन्तं सहन्ते।
दिव्या अंगाराइरिणेन्युप्ताःशीताःसन्तोहृदयंनिर्दहन्ति।।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** का अनुवाद कीजिए : (12)

Translate any **three** out of the following Mantras :

(क) सत्यं बृहदृतमुग्रंदीक्षातपो ब्रह्मयज्ञःपृथिवीं धारयन्ति।
सानोभूतस्य भव्यस्यपत्न्युरुंलोकं पृथिवीनः कृणोतु।।

(ख) यज्जाग्रतो दूरमुदैति दैवं तदु सुप्तस्य तथैवेति ।
दूरंगमं ज्योतिषां ज्योतिरेकं तन्मे मनः शिवसंकल्पमस्तु ।।

P.T.O.

(ग) तत्रापराऋग्वेदोयजुर्वेदःसामवेदोऽथर्ववेदः
शिक्षाकल्पोव्याकरणं निरुक्तं छन्दोज्योतिषमिति।
अथ परायायातदक्षरम् अधिगम्यते।।

(घ) मन्त्रेषु कर्माणि कवयोयान्यपश्यंस्तानित्रेतायांबहुधा सन्ततानि।
तान्याचरथनियतंसत्यकामाएषवःपन्थासुकृतस्यलोके।।

(ङ) अविद्यायाम् अन्तरे वर्तमानाःस्वयंधीराःपंडितं मन्यमानाः।

जंघन्यमानाः परियन्तिमूढाः अन्धेन एवनीयमानाःयथा अन्धाः।।

3. उषस् के वैदिक स्वरूप पर प्रकाश डालिए। (10)

Describe the Vedic features of Usas.

अथवा / Or

सांमनस्यम्सूक्त के सामाजिक महत्त्व को स्पष्ट कीजिए।

Describe the Social importance of Sammanasyam Sukta.

4. निम्नलिखित मे से किन्हीं दो पर टिप्पणी कीजिए : (3×2=6)

Write note on any **Two** of the following :

(क) क्त्वार्थकप्रत्यय

(ख) वैदिकस्वरित

(ग) तुमर्थकप्रत्यय

(घ) लेट्लकार

. प्रश्नसंखया एक से किसी **एक** मन्त्र का पदपाठ प्रस्तुत कीजिए।

(6)

Render into Padapatha any **One** of the Mantras from section A of question No. 1.

अथवा / Or

पदपाठ के प्रमुख छः नियमों का सोदाहरण वर्णन करें।

Describe the **Six** main rules of Padapatha.

6. निम्नलिखित में से प्रत्येक खण्ड में से एक मन्त्र लेकर कुल दो मन्त्रों की व्याख्या कीजिए : (6×2)

Explain any **Two** Mantras choosing one from each section :

खण्ड (क)

Section (I)

(अ) यथोर्णनाभिः सृजते गृह्यतेच यथा पृथिव्यामोषधयः सम्भवन्ति ।

यथासतः पुरुषात्केषलोमानितथाक्षरात्सम्भवतीह विश्वम् ।।

(आ) यः सर्वज्ञः सर्वविद्यस्य ज्ञानमयंतपः ।

तस्मादेतद्ब्रह्म नामरूपमन्नं चजायते ।।

5223

खण्ड (ख)

Section (II)

(अ) द्वासुपर्णासयुजासखाया

समानंवृक्षंपरिषस्वजाते ।

तयोरन्यः पिप्पलंस्वाद्धत्त्य् -

अनश्नन्यो अभिचाकशीति ।।

(आ) कालीचकरालीचमनोजवाचसुलोहितायाचसुधूम्रवर्णा ।

स्फुलिंगिनीविष्वरुचीचदेवी लेलायमाना इति सप्तजिह्वा ।।

7. मुण्डकोपनिषद् का दार्शनिक महत्त्व स्पष्ट कीजिए । (10)

Describe the Philosophical importance of Mundkopanishada.

अथवा / Or

मुण्डकोपनिषद् के आधार पर परमात्मा का स्वरूप प्रतिपादित कीजिए ।

Describe about Parmatama according to Mundkopnishada.

8. निम्नलिखित मन्त्र की संस्कृत में व्याख्या कीजिए :

Explain this Mantra in Sanskrit Language.

(क) अग्नेः यंयज्ञमध्वरंविश्वतः परिभूरसि ।

सइद्देवेषुगच्छति ।।

अथवा / Or

(ख) तपसाचीयतेब्रह्मततः अन्नम् अभिजायते ।

अन्नात्प्राणः मनः सत्यं लोकाः कर्मसुच अमृतम् ।।

(28)

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No...2024....

Sr. No. of Question Paper : 5264 **G**

Unique Paper Code : 12131502

Name of the Paper : Sanskrit Grammar

Name of the Course : **B.A. (H)**

Semester : V

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY Kalkaji, New Delhi-19

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

P.T.O.

भाग क / Section A

1. निम्नलिखित किन्हीं **चार** वर्णों के उच्चारण स्थान तथा आभ्यन्तर प्रयत्न लिखिए : (4×2=8)

Write the स्थान and आभ्यन्तर प्रयत्न of any **four** words of the following :

इ, ग्, झ्, ण्, लृ, ब्, ऐ, व्

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** संज्ञाओं की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए : (2×3=6)

Explain with examples any **two** technical terms of the following :

लोपः, ह्रस्वः, उदात्तः, सवर्णम्, संयोगः

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रत्याहारों के वर्ण लिखिए : (4×1=4)

Write the letters of any **four** of the प्रत्याहार.

अक्, एङ्, इण्, झष्, यर्, शर्, झय्

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पदों का सूत्रनिर्देश पूर्वक संधि-विच्छेद कीजिए : (5×2=10)

Disjoin Sandhis in any **five** of the following quoting relevant sutras :

मद्ध्वरिः, विष्णवे, उपेन्द्रः, रामश्शेते, वागीशः, शिवो वन्द्यः, अधो याहि

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** सूत्रों की व्याख्या कीजिए : (4×2=8)

Explain and illustrate any **two** of the following :

आदिरन्त्येन सहेता, सुप्तिङन्तं पदम्, तपरस्तत्कालस्य, एङि पररूपम्, ष्टुना ष्टुः

भाग ख / Section B

6. **अन्विति 1 से तीन** तथा **अन्विति 2 से दो** पदों को चुनकर कुल **पांच** पदों में सूत्रोल्लेखपूर्वक समास सिद्धि कीजिए : (5×3=15)

Choosing **Three** compounds from Unit 1 and **two** compounds from Unit 2, explain total five formations with relevant sutras with their names :

अन्विति 1

अधिहरि, ग्रामगतः, चोरभयम्, नीलोत्पलम्, अनश्वः

अन्विति 2

कण्ठेकालः, धर्मार्थौ, शिवकेशवौ, पितरौ

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** सूत्रों की व्याख्या कीजिए : (4×2=8)

Explain and illustrate any **two** of the following sutras :

उपसर्जन पूर्वम्, षष्ठी, नदीभिश्च, तस्मान्नुडचि, अजाद्यदन्तम्

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पदों में प्रकृति - प्रत्यय स्पष्ट कीजिए : (5×2=10)

Justify प्रकृति-प्रत्यय in any **five** compounds of the following :

अङ्गुलीयम्, अश्ममयम्, गोत्वम्, दण्डी, औपगवः, दाक्षिः, काकम्, दिश्यम्, कण्ठ्यम्

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रकृति-प्रत्ययों को संयुक्त करते हुए पद-निर्माण कीजिए : (3×2=6)

Among the following प्रकृति-प्रत्यय, combine any **three** of them to form the respective compounds:

विनता + ढक्, ग्राम + तल्, जिह्वामूल + छ, पृथु + इमनिच्, जड + ष्यञ्, पण्डा + इतच्

(29)

[This question paper contains 8 printed pages.] 2024

Your Roll No.....

DESHBANDHU COLLEGE
LIBRARY
Kalkaji, New Delhi-19

Sr. No. of Question Paper : 5427 **G**

Unique Paper Code : 12137902

Name of the Paper : Art of Balanced Living

Name of the Course : **B.A (H.) Sanskrit (DSE) (LOCF)**

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer **All** questions.

P.T.O.

5427

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

3. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. निम्नलिखित में से **किन्हीं तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :-

(12×3=36)

Answer **any three** of the following questions :

(i) पातञ्जलयोगदर्शन में वर्णित अष्टांग-योग का वर्णन कीजिए।

Describe the Aṣṭāṅgayoga as mentioned in the Yoga philosophy of Patanjali.

(ii) 'श्रोतव्य श्रुतिवाक्येभ्यो मन्तव्यश्चोपपत्तिभिः।' के आधार पर ब्रह्मसाक्षात्कार के साधन श्रवण, मनन एवं निदिध्यासन का वर्णन कीजिए।

Describe the nature of Hearing (sravana), Reflection (manana) and meditation (nididhyasana) as methods of Self-presentation on this basis the statement 'Srotavya srutivakyebhyo mantavyascopapattibhih".

(iii) गीता के आधार पर सन्तुलित जीवन के लिए 'कर्म-योग' की महत्ता का वर्णन कीजिए।

Describe the importance of "Karma-Yoga" for a balanced living on the basis of Gita.

(iv) योगदर्शन में प्रतिपादित योग के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए चित्तवृत्तिनिरोध के उपायों का वर्णन कीजिए।

Explaining the nature of yoga as describe in the Yoga philosophy, elucidate the methods of Cittavṛttinirodha.

(v) गीता के आधार पर सन्तुलित जीवन के लिए 'भक्ति-योग' की महत्ता का वर्णन कीजिए।

Describe the importance of 'Bhakti-Yoga' for a balanced living on the basis of Gita.

2. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए : (5×5=25)

Explain the following :

(क) अध्यात्मज्ञाननित्यत्वं तत्त्वज्ञानार्थदर्शनम् ।

एतज्ज्ञानमिति प्रोक्तमज्ञानं यदतोऽन्यथा ।।

अथवा / OR

यं हि न व्यथयन्त्येते पुरुषं पुरुषर्षभ ।

समदुःखसुखं धीरं सोऽमृतत्वाय कल्पते ।।

(ख) संकल्पप्रभवान्कामांस्त्यक्त्वा सर्वानशेषतः ।

मनसैवेन्द्रियग्रामं विनियम्य समन्ततः ।।

अथवा / OR

यतो यतो निश्चरति मनश्चञ्चलमस्थिरम् ।

ततस्ततो नियम्यैतदात्मन्येव वशं नयेत् ।।

(ग) मन्मना भव मद्भक्तो मद्याजी मां नमस्कुरु ।

मामेबैष्यसि युक्त्वैवमात्मानं मत्परायणः ।।

अथवा / OR

समोऽहं सर्वभूतेषु न मे द्वेष्योऽस्ति न प्रियः ।

ये भजन्ति तु मां भक्त्या मयि ते तेषु चाप्यहम् ।।

(घ) सन्नियम्येन्द्रियग्रामं सर्वत्र समबुद्धयः ।

ते प्राप्नुवन्ति मामेव सर्वभूतहिते रताः ।।

अथवा / OR

ये तु धर्म्यामृतमिदं यथोक्तं पर्युपासते ।

श्रद्धधाना मत्परमा भक्तास्तेऽतीव मे प्रियाः ।।

(ङ) यज्ञशिष्टाशिनः सन्तो मुच्यन्ते सर्वकिल्बिषैः ।

भुञ्जते ते त्वघं पापा ये पचन्त्यात्मकारणात् ।।

अथवा / OR

यद्यदाचरति श्रेष्ठस्तत्तदेवेतरो जनः ।

स यत्प्रमाणं कुरुते लोकस्तदनुवर्तते ।।

3. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** की व्याख्या कीजिए :- (3.5×2=7)

Explain any **two** of the following :

(क) तस्मिन् सति श्वासप्रश्वासयोर्गतिविच्छेदः प्राणायामः ।

(ख) दृष्टानुश्रविकविषयवितृष्णस्य वशीकारसंज्ञा वैराग्यम् ।

(ग) तत्र स्थितौ यत्नोऽभ्यासः ।

4. निम्नलिखित में से **किसी एक** पर संस्कृत में टिप्पणी लिखिएः- (7)

Write short note in **Sanskrit** of any **one** of the following :

(क) नियमा:

(ख) समाधि

(ग) आसन

30

This question paper contains 2 printed pages.]

Sr. No. of Question Paper : 5432A Your Roll No. ..2024...

Unique Paper Code : 12137908

Name of the Course : B. A. (H) DSE

Name of the Paper : Fundamentals of Ayurveda

Semester : V

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY Kalkaji, New Delhi-19

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

Note : Unless otherwise required in a question, answer should be written in Sanskrit or in Hindi or English, but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :- अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Answers all questions

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. आयुर्वेद के प्रमुख आचार्यों का उल्लेख करते हुए उनके योगदान को स्पष्ट कीजिए। 15
Express the contribution of prominent ayurvedacharya.

अथवा

चरकपूर्व आयुर्वेद की ऐतिहासिक परम्परा पर निबन्ध लिखिए।
Write an essay on the history of before the charaka ayurveda treaditions.

2. आयुर्वेद की पुनर्वसु परम्परा का ऐतिहासिक विवेचन कीजिए। 15
Write the history punarvasu traditions in ayurveda.

अथवा

आयुर्वेदावतरण का विस्तृत वर्णन करते हुए आयुर्वेद की दैवीय व लौकिक उत्पत्ति को सचित्र स्पष्ट कीजिए।

Describe the beginning of Ayurveda. Draw a diagram showing its Divine and Laukika beginning.

3. आदानकाल एवं विसर्गकाल में रुक्षता, रस और दुर्बलता के कारणों का विवेचन कीजिए। 15

Discuss about the cause of dryness, fluid (rasa) and weakness in solistis.

अथवा

आयुर्वेद में वर्णित त्रिदोष, त्रिमल, पञ्चमहाभूत, सप्तधातु एवं त्रयोदशाग्नि का विवेचन करें।

Explain Tridosha, Trimala, Panchmahabuta, Saptadhatu and Trayodashaagni according to Ayurveda.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखिए- 5x3=15

Write a note on any three of the following.

(i) वसन्त ऋतुचर्या

(ii) हेमन्त ऋतुचर्या

(iii) शिशिर ऋतुचर्या

(iv) आहार-विहार

(v) वर्षा ऋतु में अपथ्य

(vi) वाजीकरण

5. तैत्तिरीयोपनिषद् की भृगुवल्ली के अनुसार प्राण एवं अन्न की महत्ता पर प्रकाश डालिए। 15

Write the importance about Life and food according to bhriguvalli of taittiriyopanishad.

अथवा

भृगुवल्ली के अनुसार प्राण एवं अन्न के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

Write the importance of Life and Food according to Bhriguvalli.

31

[This question paper contains 4 printed pages.]

DESHBANDHU COLLEGE
LIBRARY
Kalkaji, New Delhi-19

Your Roll No.....2024

Sr. No. of Question Paper : 5591

G

Unique Paper Code : 12137908

Name of the Paper : Fundamentals of Ayurveda

Name of the Course : **B.A. (H) DSE**

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answers **all** questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

P.T.O.

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

3. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. आयुर्वेद के प्रमुख आचार्यों का उल्लेख करते हुए उनके योगदान को स्पष्ट कीजिए । (15)

Express the contribution of prominent ayurvedacharya.

अथवा

चरकपूर्व आयुर्वेद की ऐतिहासिक परम्परा पर निबन्ध लिखिए ।

Write an essay on the history of before the charaka ayurveda treaditions.

2. आयुर्वेद की पुनर्वसु परम्परा का ऐतिहासिक विवेचन कीजिए । (15)

Write the history punarvasu traditions in ayurveda.

अथवा

आयुर्वेदावतरण का विस्तृत वर्णन करते हुए आयुर्वेद की दैवीय व लौकिक उत्पत्ति को सचित्र स्पष्ट कीजिए ।

Describe the beginning of Ayurveda. Draw a diagram showing its Divine and Laukika beginning.

3. आदानकाल एवं विसर्गकाल में रुक्षता, रस और दुर्बलता के कारणों का विवेचन कीजिए। (15)

Discuss about the cause of dryness, fluid (rasa) and weakness in solistis.

अथवा

आयुर्वेद में वर्णित त्रिदोष, त्रिमल, पञ्चमहाभूत, सप्तधातु एवं त्रयोदशाग्नि का विवेचन करें।

Explain Tridosha, Trimala, Panchmahabuta, Saptadhatu and Trayodashaagni according to Ayurveda.

4. निम्नलिखित में से **किन्हीं तीन** पर टिप्पणी लिखिए - (5×3=15)

Write a note on **any three** of the following :

(i) वसन्त ऋतुचर्या

(ii) हेमन्त ऋतुचर्या

(iii) शिशिर ऋतुचर्या

(iv) आहार - विहार

(v) वर्षा ऋतु में अपथ्य

(vi) वाजीकरण

5. तैत्तिरीयोपनिषद् की भृगुवल्ली के अनुसार प्राण एवं अन्न की महत्ता पर प्रकाश डालिए।

Write the importance about Life and food according to bhriguvalli of taittiriyopanishad. (15)

अथवा

भृगुवल्ली के अनुसार प्राण एवं अन्न के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

Write the importance of Life and Food according to Bhriguvalli.